दया भावना फाउण्डेशन द्वारा संचालित कार्य

:: आ. विद्यासागर गौ उपचार सेवा ::

1 - ग्वालियर - झाँसी, झाँसी-ललितपुर, झाँसी-टीकमगढ़, झाँसी-शिवपुरी, बाजना, हटा, अशोक नगर फोर लाईन हाइवे पर गौ उपचार सेवा ।
2 - झाँसी महानगर तथा आसपास के क्षेत्रों में गौ उपचार सेवा ।
3 - ग्वालियर महानगर तथा आसपास के क्षेत्रों में गौ उपचार सेवा ।
4 - दया भावना फाउण्डेशन द्वारा 5500 दुर्घटनाग्रस्त गायों का पूर्ण स्वस्थ होने पर्यन्त उपचार करना।
5 - दया भावना फाउण्डेशन द्वारा 12000 गौवंश को रेडियम बेल्ट पहनाया गया ।
6 - दतिया जिले में 18 गौशालाओं का सफल संचालन ।
7 - वाहनों द्वारा घायल, जख्मी, बीमार, दुर्घटनाग्रस्त पशुओं को हाइड्रोलिक एम्बूलेन्स द्वारा उठाकर उपचार केन्द्र में लाया जाता है तथा पूर्ण स्वस्थ होने पर्यन्त उपचार किया जाता है ।
8 - सोनागिर मुख्य शाखा में 4 कुशल गौ उपचारक एवं 15 गौ सेवकों की टीम जो 24x7 सेवा में सदैव तत्पर ।
9 - संस्था को दतिया कलैक्टर द्वारा 2022 का उत्कृष्ट गौ सेवा पुरुस्कार प्रदान किया गया ।

:: खिचड़ी वितरण ::

1 - झाँसी मेडीकल में प्रतिदिन अस्वस्थ्य,असहाय,निराश्रित जनों के लिये श्री सांवलिया पार्श्वनाथ खिचड़ी वितरण का कार्य किया जा रहा है ।
2 - ग्वालियर मेडीकल (मुरार) के सामने प्रतिदिन अस्वस्थ्य, असहाय, निराश्रित जनों के लिये श्री गोपाचल पार्श्वनाथ खिचड़ी वितरण का कार्य किया जा रहा है ।

:: मानव सेवा ::

झाँसी महानगर में अर्द्धविक्षिप्त, अनाथ, अस्वस्थ, मनोरोगियों के लिये औषधि, भोजन, वस्त्र आदि अन्य आवश्यक सेवायें दी जा रही हैं एवं जरुरतमंद लोगों के लिये वस्त्र वितरण भी किये जाते है ।

गौ उपचार एवं पक्षी उपचार अस्पताल की आवश्यकता

मनुष्यों ने अपने स्वयं के उपचार के लिये पर्याप्त सुविधाओं का निर्माण किया है परन्तु मूक, अनाश्रित, आवारा दुर्घटनाग्रस्त पशुओं के लिये अत्याधुनिक उपचार सुविधा उपलब्ध नही हैं । पशु पक्षी भूख, प्यास, सर्दी, गर्मी की पीड़ा तो सहन कर ही रहे है, लेकिन उनके घाव-जख्मों पर एक चुटकी हल्दी लगाने वाला भी कोई नही है । हर जगह पशु पक्षियों को प्रताड़ित एवं कष्टप्रद होकर जीवन गुजारना पड़ रहा है ।

मनुष्य अपने चहुँमुखी विकास को साकार करने के लिये बड़े-बड़े मार्गों (हाइवे) का निर्माण कर रहा है उन मार्गों पर ट्रक, ट्रेक्टर, ट्राला, डम्पर आदि वाहनों द्वारा पशुओं का घायल होना आम बात है जिसमें जानवरों के पैरों का कुचला जाना हड्डी टूटना, गहरे घाव हो जाना, स्थाई विकलांगता के दर्द से इन गौ वंश को प्रतिदिन गुजरना पड़ रहा है, और भारत के प्रत्येक पशु के उपचार के लिये सामान्य और विशेष परिस्थितियों में कोई भी समुचित व्यवस्था कहीं भी नहीं है, अहिंसा परमो धर्म को जयवंत करने वाले मुनि श्री 108 अविचल सागर महाराज जी की मंगल प्रेरणा एवं करुणामयी विचारों से दया भावना फाउण्डेशन - आचार्य विद्यासागर गौ उपचार अस्पताल एवं श्रीराम पक्षी अस्पताल का निर्माण करने जा रहा है ।

परिचय

परम पूज्य मुनि श्री 108 अविचल सागर जी महाराज की मंगल प्रेरणा से दया भावना फाउण्डेशन अपने अस्पताल से 100-125 किमी. के दायरे में कहीं से भी किसी व्यक्ति द्वारा घायल, जख्मी, एक्सीडेन्टल गाय अथवा अन्य पशु पक्षियों का समाचार प्राप्त होता है उसी समय उस स्थान पर पहुँचकर उनका उपचार प्रारम्भ किया जाता है । अगर सामान्य उपचार की आवश्कता हो तो उसी स्थान पर उपचार किया जाता है एवं विशेष उपचार की आवश्यकता होने पर हाइड्रोलिक एम्बूलेन्स द्वारा उपचार केन्द्र में लाकर पूर्ण स्वस्थ होने पर्यन्त उपचार किया जाता है । उपचार के उपरान्त उन सभी गायों एवं पशु पक्षियों को निकट के गौशालाओं में सुरक्षित किया जाता है ।

लक्ष्य

भारत के प्रत्येक राष्ट्रीय महामार्ग पर प्रति 150-200 किमी. के अन्तराल में
''आचार्य विद्यासागर गौ अस्पताल'' का निर्माण करना ।

6390-255-255 — 108 गौ अस्पताल — 7565-988-988